



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3]
No. 3]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 23, 1987/फाल्गुन 4, 1908
NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 23, 1987/PHALGUNA 4, 1908

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन हो सके
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

दि इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया

(कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 के अधीन गठित)

कंपनी सचिव (संशोधन) विनियम, 1987

(फरवरी, 1987 का आई.सी.एन. आई.सं. 1)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1987

सं. 710 2 (एम)(1) :—यतः कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) की धारा 39 की उपधारा (3) के अन्तर्गत यथा अपेक्षित कंपनी सचिव विनियम, 1982 को आगे संशोधित करने के लिए कुछ प्रारूप विनियम 9 मिनम्बर, 1986 को दि इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की अधिसूचना के रूप में भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 3, खण्ड 4, तारीख 9-9-86 के पृष्ठ सं. 1 से 3 तक प्रकाशित किए गए थे और उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से

पेंशनरीय दिन के भीतर उक्त प्रारूप की बाबत आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे, तथा उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को 22 मिनम्बर, 1986 को उपलब्ध करा दी गई थी।

यतः उक्त प्रारूप विनियमों की बाबत जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर परिषद् और केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः अब परिषद् कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) की धारा 39 की उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से, कंपनी सचिव विनियम, 1982 में निम्नलिखित संशोधन करती है नामतः—

1. इन विनियमों का संक्षिप्त नाम कंपनी सचिव (संशोधन) विनियम, 1987 है।

2. इन विनियमों में जैसा अन्यथा उपबंधित है उसके सिवाय, ये विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

3. कंपनी सचिव विनियम, 1982 के विनियम 48 (जिन्हें इसमें उसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है) :

(क) उपविनियम (1) में “संस्थान की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी से” शब्दों के स्थान पर “उपविनियम (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए प्रत्येक अभ्यर्थी से (जिनके अंतर्गत ना सिरे से रजिस्ट्रीकृत अभ्यर्थी भी हैं) जो 16 सितम्बर 1982 को या उसके पश्चात् विद्यार्थी के रूप में रजिस्ट्रीकृत हुआ है और जिसने संस्थान की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तथा ऐसे प्रत्येक अभ्यर्थी से जो 16 सितम्बर, 1982 से पहले विद्यार्थी के रूप में रजिस्ट्रीकृत हुआ है और जिसने संस्थान की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तथा ऐसे प्रत्येक अभ्यर्थी से जो 16 सितम्बर, 1982 से पहले विद्यार्थी के रूप में रजिस्ट्रीकृत हुआ है और जिसने विनियम 50 में विनिर्दिष्ट व्यावहारिक प्रशिक्षण संस्थान की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि में पूर्ण नहीं किया है,” शब्द रखे जाएंगे।

(ख) उपविनियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा :—

“(3) ऐसे किसी व्यक्ति के बारे में जो 16 सितम्बर, 1982 को या उसके पश्चात् और 29 दिसम्बर, 1985 तक (जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है) विद्यार्थी के रूप में रजिस्ट्रीकृत हुआ है, यह समझा जाएगा कि उसने इस विनियम में विनिर्दिष्ट व्यावहारिक अनुभव संबंधी अपेक्षाओं की पूर्ति कर दी है, यदि उसने अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के भीतर उपविनियम (1) के खंड (क) के उपखंड (1) में विनिर्दिष्ट रीति में या 30 दिसम्बर, 1993 के पूर्व, दोनों में से जो भी पूर्वतर हो, किसी कार्यपालक के रूप में कार्य करने का अनुभव जो एक वर्ष से कम का नहीं है, प्राप्त कर लिया है।

परन्तु परिषद् इस अवधि को अधिकतम दो वर्ष की अवधि के लिए विस्तारित कर सकती, जिसके कारण लेखबद्ध किये जाएंगे।”

4. उक्त विनियम के विनियम 50 में, “व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने” शब्दों के पश्चात् “जहां लागू हो”, शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

परिषद् के आदेशानुसार,

टी.पी. सुब्बारमन, सचिव

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)

The Company Secretaries (Amendment) Regulations, 1987

(ICSI Notification No. 1 of February, 1987)

New Delhi, the Eighteenth February, 1987

No. 710(2)(M)(1).—Whereas certain draft regulations further to amend the Company Secretaries Regulations, 1982, were published as required under sub-section (3) of section 39 of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980) at pages 1 to 3 of the Gazette of India-Extraordinary Part III Section 4 dated the 9th September, 1986 under the notification of the Institute of Company Secretaries of India dated 9th September, 1986 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of forty five days from the date of the notification and copies of the said notification were made available to the public on 22nd September, 1986.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft regulations have been considered by the Council and the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 39 read with sub-section (3) of that section of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), the Council, with the approval of Central Government, makes the following amendment to the Company Secretaries Regulations, 1982, namely :—

1. These regulations may be called “The Company Secretaries (Amendment) Regulations, 1987”.

2. Save as otherwise provided in these regulations, these regulations shall come into force from the date of their publication in the Gazette of India.

3. In regulation 48 of the Company Secretaries Regulations, 1982 (hereinafter referred to as the said regulations) :—

(a) in sub-regulation (1), for the words “Every candidate passing the Final examination of the Institute”, the words “Subject to the provisions of sub-regulation (3), every candidate registered as a

student on or after the 16th September, 1982 (including a student registered de novo) and passing the Final examination of the Institute and every candidate registered as a student before the 16th September, 1982 who has not completed practical training referred to in regulation 50 within a period of three years after the date of passing the Final examination of the Institute", shall be substituted;

(b) after sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(3) Any person registered as a student on or after the 16th September, 1982, and up to and including 29th December, 1985 shall be deemed to have complied with the practical experience requirement specified in the regulation if he

possesses not less than one year's experience as an executive in the manner specified in sub-clause (i) of clause (a) of sub-regulation (1) within a period of three years after the date of passing the Final examination or before 30th December, 1983, whichever is earlier.

Provided that the Council may, for reasons to be recorded in writing, further extend this period upto a maximum of two years.”

4. In regulation 50 of the said regulations, after the words “in addition to acquiring practical experience” the words “where applicable” shall be inserted.

By Order of the Council,
T. P. SUBBARAMAN, Secy.

